मंगलवार

25 अगस्त 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 213
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

एक देश-एक चुनाव पर 'अनोखी रार'

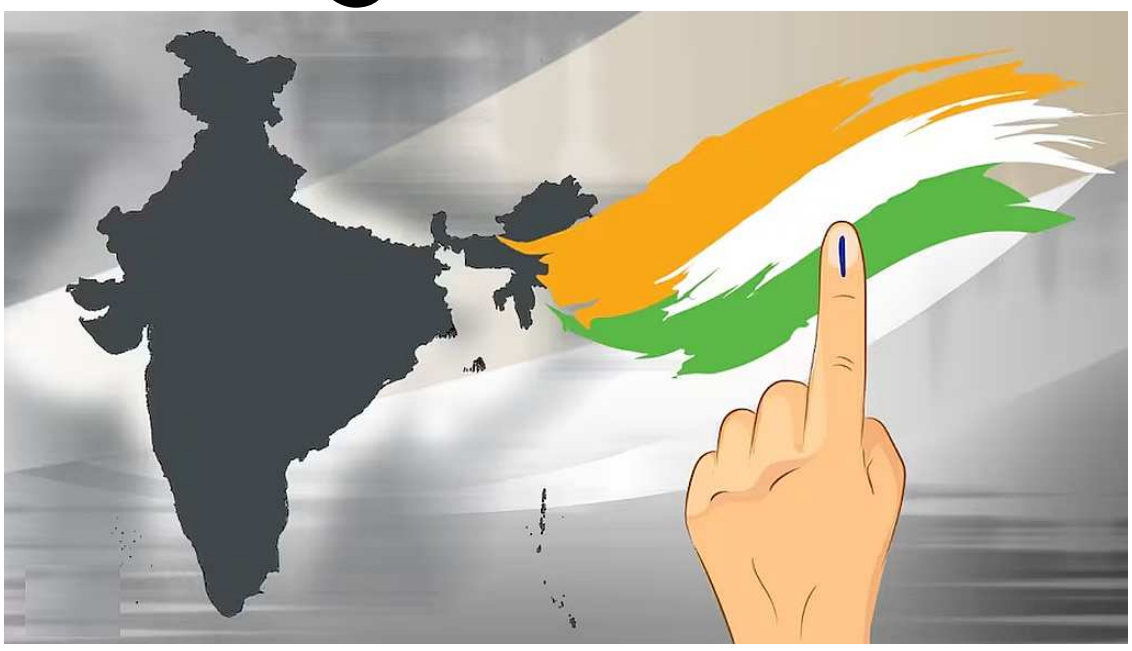

◆धार्मिक मंचों के राजनीतिक इस्तेमाल पर कांग्रेस का वार, भाजपा का पलटवार
◆चुनावी सुधार की बहस में साधु-संतों के मंच से उठ गया उत्तराखंड से विवाद
◆संत समाज के मंच से वन नेशन, वन इलेक्शन पर उत्तराखंड में मचा घमासान

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। देश में वन नेशन, वन इलेक्शन की बहस चल रही है। सरकार और भाजपा इसे चुनावी व्यवस्था में सुधार, खर्च कम करने और बार-बार होने वाले चुनावों से मुक्ति की दिशा में बड़ा कदम बता रही हैं। कांग्रेस और विपक्ष इस पर सवाल उठा रहे हैं। लेकिन उत्तराखंड में बहस ने एक अलग मोड़ ले लिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भाजपा ने साधु-संतों के मंच का राजनीतिक इस्तेमाल किया। अब सवाल सिर्फ वन नेशन, वन इलेक्शन का नहीं रह गया। सवाल यह भी है कि चुनावी राजनीति में धार्मिक और आध्यात्मिक मंचों की भूमिका कहां तक होनी चाहिए? मंच पर साधु-संत हों, सामने श्रद्धालु हों और बीच में राजनीतिक संदेश पहुंच जाए तो इसे आस्था का संवाद कहा जाए या चुनावी राजनीति का विस्तार? यही वह सवाल है जिसे कांग्रेस ने उठाया है।

भाजपा के पास इसका अपना जवाब होगा। वह कह सकती है कि संत समाज भी देश और समाज का हिस्सा है, उसे राजनीतिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर अपनी राय रखने का पूरा अधिकार है। लोकतंत्र में किसी वर्ग की आवाज को केवल इसलिए नहीं रोका जा सकता कि वह धार्मिक मंच से आ रही है। बात सही भी है। लेकिन लोकतंत्र का दूसरा सवाल भी है क्या हर मंच चुनावी संदेश के लिए बनाया गया है? यहीं से बहस थोड़ी कठिन हो जाती है।

वन नेशन, वन इलेक्शन सुनने में बहुत सीधा लगता है। एक देश, एक साथ चुनाव। चुनाव कम होंगे, खर्च कम होगा, सरकारें लगातार चुनावी मोड से बाहर निकलकर काम कर सकेंगी। यह समर्थकों का तर्क है। विरोधियों के पास सवाल हैं। क्या एक साथ चुनाव कराने के लिए संविधान और कानूनों में बड़े बदलाव नहीं करने पड़ेंगे? राज्यों की विधानसभाओं की अवधि का क्या होगा? अगर किसी राज्य की सरकार बीच में गिर जाए तो क्या होगा? क्या राष्ट्रीय मुद्दे क्षेत्रीय मुद्दों को दबा देंगे? क्या मतदाता विधानसभा और लोकसभा के लिए अलग-अलग राजनीतिक पसंद को स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर पाएगा? यह गंभीर सवाल हैं। लेकिन राजनीति अक्सर गंभीर सवालों को गंभीर बहस में बदलने के बजाय भावनात्मक बहस में बदल देती है और जब धार्मिक मंच उसमें शामिल हो जाता है तो बहस और मुश्किल हो जाती है।

भारत में साधु-संतों का सामाजिक प्रभाव किसी से छिपा नहीं है। करोड़ों लोग उन्हें श्रद्धा से देखते हैं। इसलिए उनके मंच से निकला राजनीतिक संदेश सामान्य राजनीतिक सभा की तुलना में अलग असर पैदा कर सकता है। इसी कारण कांग्रेस का आरोप भी केवल मंच को लेकर नहीं है। असल चिंता यह है कि क्या धार्मिक आस्था को राजनीतिक समर्थन जुटाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है? लेकिन यहां विपक्ष के लिए भी एक सवाल है। अगर साधु-संत किसी राजनीतिक प्रस्ताव का समर्थन करते हैं तो क्या उनकी राय को सिर्फ इसलिए खारिज कर देना चाहिए कि वह धार्मिक मंच पर बैठे हैं? शायद नहीं।

लोकतंत्र में संत भी नागरिक हैं और उनकी राय भी राय है। समस्या राय रखने में नहीं, समस्या तब पैदा होती है जब आस्था को राजनीतिक समर्थन का प्रमाणपत्र बनाने की कोशिश हो। यानी किसी नीति का समर्थन इसलिए नहीं कि उसके पक्ष में तर्क हैं, बल्कि इसलिए कि उसके पीछे धार्मिक प्रतिष्ठा खड़ी कर दी गई है। फिर सवाल नीति से हटकर निष्ठा का हो जाता है और यही लोकतंत्र के लिए खतरनाक मोड़ है।उत्तराखंड जैसे राज्य में यह बहस और महत्वपूर्ण है। यहां धर्म, तीर्थ, संत परंपरा और राजनीति एक-दूसरे से पूरी तरह अलग नहीं हैं। चारधाम से लेकर कुंभ तक धार्मिक पहचान सामाजिक जीवन का बड़ा हिस्सा है। लेकिन लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि मंदिर और मठ की श्रद्धा को विधानसभा की नीति से अलग रखकर भी दोनों का सम्मान किया जा सकता है। राजनीतिक दलों को यह दूरी बनाए रखने की जिम्मेदारी खुद लेनी होगी। क्योंकि अगर हर धार्मिक मंच चुनावी मंच बन गया, हर संत राजनीतिक प्रवक्ता बन गया और हर धार्मिक आयोजन राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन में बदल गया तो फिर राजनीति से बाहर बचने वाली जगह बहुत कम रह जाएगी और तब जनता पूछेगी हमारे पास चर्चा करने के लिए रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और महंगाई जैसे मुद्दे हैं। इनके जवाब कौन देगा?

वन नेशन, वन इलेक्शन पर बहस होनी चाहिए। खुलकर होनी चाहिए। संसद में हो, विशेषज्ञों के बीच हो, राज्यों में हो और जनता के बीच हो। समर्थक अपने तर्क रखें, विरोधी अपने सवाल रखें। संविधान, संघवाद और चुनावी प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा हो। लेकिन फैसला तर्क से हो, तमाशे से नहीं। संतों के मंच की अपनी गरिमा है। राजनीतिक दलों के मंच की अपनी भूमिका है। दोनों को एक-दूसरे की जगह लेने की जरूरत नहीं। क्योंकि लोकतंत्र में सवाल यह नहीं होना चाहिए कि किसके मंच पर कौन बैठा था। सवाल यह होना चाहिए कि जो प्रस्ताव सामने है, वह देश और राज्यों के लोकतंत्र के लिए कितना सही है। वरना कल चुनाव एक होंगे, मंच एक होगा, नारे एक होंगे, लेकिन जनता के सवाल फिर भी अनेक रह जाएंगे और लोकतंत्र का असली चुनाव वहीं से शुरू होगा।

आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित करें: मुख्यमंत्री

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि आवश्यक वस्तुओ की कीमता पर प्रभावी नियंत्र सुनिश्चित करें।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शासन के वरिष्ठ अधिकारियों को प्रदेश में आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने तथा आम जनता को उचित दरों पर आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कालाबाजारी, जमाखोरी और मुनाफाखोरी के माध्यम से कृत्रिम रूप से कीमतें बढ़ाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई

की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग सहित संबंधित विभाग बाजार में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता एवं उनके मूल्यों की नियमित निगरानी करें। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी स्तर पर आवश्यक वस्तुओं की कृत्रिम कमी पैदा कर आम जनता से अधिक मूल्य न वसूला जाए। उन्होंने कहा कि बाजार में मांग और आपूर्ति की स्थिति पर भी लगातार नजर रखी जाए तथा आवश्यकता के अनुसार समयबद्ध और प्रभावी कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि सभी जनपदों में प्रशासन द्वारा नियमित रूप से बाजारों का निरीक्षण किया जाए। आवश्यक वस्तुओं के निर्धारित एवं प्रचलित बाजार मूल्यों की जांच के साथ ही स्टॉक की स्थिति पर भी नजर रखी जाए।

कालाबाजारी, जमाखोरी अथवा निधारित मानकों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार आम जनता के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों में अनावश्यक वृद्धि का सीधा प्रभाव आम नागरिकों के घरेलू बजट पर पड़ता है, इसलिए मूल्य नियंत्रण से संबंधित सभी व्यवस्थाएं प्रभावी और पारदर्शी होनी चाहिए। उन्होंने शासन और जिला प्रशासन के अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए बाजार की स्थिति पर सतत निगरानी रखने तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता की शिकायत मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

दून वैली मेल

संपादकीय

नई सयासत, सवाल पुराने

राजनीति में प्रतीक कभी-कभी इतने ताकतवर हो जाते हैं कि वह भाषणों से ज्यादा असर करने लगते हैं। कभी प्याज राजनीति का प्रतीक बनता है, कभी टमाटर, कभी बेरोजगार युवाओं की फाइलें और कभी सड़क पर चलता हुआ काकरोच। अब अगर काकरोच दोबारा सड़कों पर उतरने की बात हो रही है तो इसे केवल मजाक समझकर खारिज करना आसान है, लेकिन इसके पीछे छिपे राजनीतिक संकेतों को समझना जरूरी है। काकरोच आखिर आया कहां से? वह किसी पार्टी का चुनाव चिह्न नहीं, किसी विचारधारा का झंडा नहीं और न ही वह किसी राजनीतिक दल का सदस्य है। लेकिन जब जनता को लगने लगे कि उसकी शिकायतें सुनने वाला कोई नहीं है, जब बेरोजगारी पर बहस की जगह बयानबाजी होने लगे, जब पेपर लीक के सवाल राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप में खो जाएं और जब महंगाई, रोजगार, शिक्षा तथा सड़क जैसे मुद्दों पर सरकार और विपक्ष एक-दूसरे को जिम्मेदार ठहराने में व्यस्त रहें, तब व्यंग्य भी राजनीति का हथियार बन जाता है। काकरोच इसी व्यंग्य का प्रतीक है। दिलचस्प यह है कि सत्ता पक्ष इसे विपक्ष की नौटंकी बता सकता है और विपक्ष इसे जनता के गुस्से की आवाज। दोनों अपनी-अपनी सुविधा के हिसाब से इसकी व्याख्या करेंगे। मगर असली सवाल यह है कि आखिर जनता को ऐसी भाषा और ऐसे प्रतीकों की जरूरत क्यों पड़ रही है? क्या लोकतंत्र में जनता की सामान्य शिकायतें इतनी कमजोर हो गई हैं कि उन्हें सुनाने के लिए सड़क पर कोई नया तमाशा खड़ा करना पड़े? उत्तराखंड की राजनीति में यह सवाल और गंभीर है। विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। भाजपा संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने में जुटी है। कांग्रेस सरकार को घेरने के मुद्दे तलाश रही है। क्षेत्रीय दल अपनी जमीन वापस पाने की कोशिश में हैं। हर पार्टी के पास रणनीति है, नारा है, पोस्टर है और सोशल मीडिया की टीम है। लेकिन जनता के पास क्या है? उसके पास बेरोजगारी का अनुभव है, महंगी होती रोजमर्रा की जिंदगी है, भर्ती परीक्षाओं को लेकर असंतोष है, पहाड़ की सड़कों की चिंता है और पलायन का पुराना सवाल है। यही वह जगह है जहां कॉकरोच जैसे प्रतीक राजनीति के लिए आईना बन जाते हैं। सत्ता को यह समझना होगा कि किसी प्रदर्शन का मजाक उड़ाने से उसके पीछे छिपी बेचैनी खत्म नहीं होती। यदि युवा सड़क पर उतरता है तो उसे केवल राजनीतिक साजिश बताना समस्या का समाधान नहीं। यदि छात्र सवाल पूछता है तो उसे विपक्ष का कार्यकर्ता बताना आसान रास्ता है, लेकिन लोकतांत्रिक रास्ता नहीं। और यदि कोई समूह व्यंग्य के जरिए अपना विरोध दर्ज करता है तो उससे असहमति हो सकती है, मगर उसके मूल सवालों का जवाब देना जरूरी है। विपक्ष के लिए भी कॉकरोच कोई जादुई चुनावी अस्त्र नहीं है। जनता केवल तमाशे से वोट नहीं देती। कुछ दिनों के लिए सोशल मीडिया पर चर्चा जरूर हो सकती है, वीडियो वायरल हो सकता है और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को उत्साह मिल सकता है, लेकिन चुनाव अंततः रसोई, रोजगार, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्थानीय समस्याओं पर लौटता है। इसलिए यदि विपक्ष कॉकरोच को जनता के गुस्से का प्रतीक बनाता है तो उसे उस गुस्से के वास्तविक मुद्दों को भी सामने रखना होगा। वरना काकरोच सड़क पर घूमता रहेगा और राजनीति अपने पुराने रास्ते पर। सबसे बड़ा खतरा यही है कि लोकतंत्र में मुद्दों की जगह प्रतीक ले लें। बेरोजगारी की जगह नारा, भर्ती की जगह आरोप, सड़क की जगह फोटो, महंगाई की जगह बयान और युवाओं के भविष्य की जगह सोशल मीडिया की ट्रेंडिंग पोस्ट। यह लोकतंत्र की कमजोरी होगी। काकरोच दोबारा सड़कों पर उतरें या न उतरें, असली सवाल यह है कि जनता कब तक अपने सवाल लेकर सड़कों पर उतरती रहेगी? अगर किसी युवा को नौकरी के लिए आंदोलन करना पड़े, किसी छात्र को परीक्षा व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठानी पड़े, किसी गांव को सड़क के लिए मानव श्रृंखला बनानी पड़े और किसी शहर को जलभराव के खिलाफ बच्चों के अनोखे प्रदर्शन का सहारा लेना पड़े, तो सवाल केवल प्रदर्शन करने वालों से नहीं पूछा जाना चाहिए। सवाल व्यवस्था से भी होना चाहिए। 2027 का चुनाव उत्तराखंड के लिए केवल सत्ता बदलने या सत्ता बचाने का चुनाव नहीं होगा। यह इस बात की परीक्षा भी होगा कि राजनीतिक दल जनता के वास्तविक सवालों को कितना समझ पाए हैं। काकरोच चाहे राजनीतिक व्यंग्य का पात्र हो या किसी आंदोलन का प्रतीक, वह एक संदेश जरूर दे रहा है जनता को तमाशा नहीं, जवाब चाहिए और अगर जवाब नहीं मिला तो फिर प्रतीक बदलेंगे, चेहरे बदलेंगे, नारे बदलेंगे और शायद काकरोच भी दोबारा सड़कों पर उतर आएगा। तब उसे भगाने से ज्यादा जरूरी होगा यह पूछना कि आखिर वह सड़क पर आया ही क्यों था।

मानसून समाप्त होते ही सड़क सुधार के कार्य युद्धस्तर पर शुरु किये जायेंः धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मानसून समाप्त होते ही प्रदेशभर में सड़क सुधार के कार्य एक साथ युद्धस्तर पर शुरू किए जाने चाहिए।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय में आयोजित कैबिनेट बैठक में प्रदेशभर की सड़कों की स्थिति और उनके सुधार के संबंध में विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में नगर निगम, नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायत क्षेत्रों के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों को दुरुस्त करने के लिए व्यापक स्तर पर कार्य करने पर चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक निर्माण विभाग और प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) सहित विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के अधीन आने वाली सड़कों को दुरुस्त करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाई जाए। बैठक में पीएमजीएसवाई के अंतर्गत निर्मित ऐसी पुरानी सड़कों, जिनकी अनुरक्षण अवधि समाप्त हो चुकी है और जिनका नियमित रखरखाव नहीं हो पा रहा है, को दुरुस्त करने के लिए राज्य सरकार की ओर से आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने के संबंध में भी विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मानसून समाप्त होते ही प्रदेशभर में सड़क सुधार के कार्य एक साथ युद्धस्तर पर शुरू किए जाने चाहिए। इसके लिए संबंधित विभाग अभी से आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करते हुए निविदा प्रक्रिया समय से पूर्ण कर लें, ताकि बारिश समाप्त होने के बाद निर्माण एवं मरम्मत कार्य शुरू करने में किसी प्रकार का विलंब न हो। बैठक में शहरी क्षेत्रों की सड़कों की स्थिति में सुधार के लिए स्थानीय निकायों को आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने पर भी चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निगमों, नगर पालिका परिषदों एवं नगर पंचायतों को सड़क सुधार के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि शहरी क्षेत्रों की सड़कों को भी प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वे अक्टूबर माह से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों का सड़क मार्ग से भ्रमण करेंगे। उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से सड़कों के सुधार के लिए ठोस कार्ययोजना बनाकर समयबद्ध रूप से कार्य करने को कहा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों को बेहतर और सुगम बनाने के लिए सभी संबंधित विभागों को समन्वित प्रयास करने होंगे।

उत्तराखंड में 'शुद्धिकरण' कांड पर बवाल

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में मंच शुद्धिकरण को लेकर शुरू हुआ राजनीतिक विवाद अब लोकभवन तक पहुंच गया है। प्रदेश कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात कर पूरे प्रकरण की जानकारी दी और मामले में कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सार्वजनिक कार्यक्रम के मंच का कथित रूप से शुद्धिकरण किया जाना सामाजिक विभाजन और भेदभाव की मानसिकता को बढ़ावा देने वाला कदम है। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल के समक्ष कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सार्वजनिक मंच किसी एक वर्ग या समुदाय की निजी संपत्ति नहीं होता। उस पर निर्वाचित जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और आम नागरिक समान रूप से उपस्थित होते हैं। ऐसे में किसी व्यक्ति के मंच पर आने के बाद उसके शुद्धिकरण जैसी कार्रवाई सामाजिक रूप से गंभीर संदेश देती है। कांग्रेस नेताओं ने राज्यपाल से आग्रह किया कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि किसी स्तर पर कानून या संवैधानिक मर्यादाओं का उल्लंघन हुआ है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

मंच शुद्धिकरण का विवाद अब केवल कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सीमित नहीं रह गया है। कांग्रेस इसे सामाजिक सम्मान और समानता से जोड़ रही है। पार्टी का कहना है कि सार्वजनिक जीवन में जातिगत भेदभाव की किसी भी अभिव्यक्ति को सामान्य राजनीतिक घटना मानकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि संविधान समानता की बात करता है और सार्वजनिक जीवन में किसी व्यक्ति की सामाजिक पहचान के आधार पर भेदभाव की कोई जगह नहीं होनी चाहिए। ऐसे में मंच शुद्धिकरण का कथित घटनाक्रम संवेदनशील है और इसकी गंभीरता से जांच जरूरी है।

वहीं, राजनीतिक तौर पर यह विवाद

◆मंच धोने वालों पर कार्रवाई के लिए राज्यपाल के द्वार पहुंची कांग्रेस
◆शुद्धिकरण ड्रामे पर भड़की कांग्रेस, राज्यपाल से की सीधी शिकायत
◆कांग्रेस का आरोप सार्वजनिक मंच के शुद्धिकरण से सामाजिक सौहार्द को ठेस

उत्तराखंड में आने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कांग्रेस इसे भाजपा सरकार और उसके नेताओं की सामाजिक सोच से जोड़कर जनता के बीच ले जाने की तैयारी में दिखाई दे रही है। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल की राज्यपाल से मुलाकात के बाद अब निगाहें सरकार और प्रशासन की अगली कार्रवाई पर हैं। कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि वह इस मुद्दे को केवल राजनीतिक बयानबाजी तक सीमित नहीं रखेगी और इसे सामाजिक न्याय तथा संवैधानिक मूल्यों से जोड़कर उठाती रहेगी।

दरअसल, उत्तराखंड की राजनीति में जाति और सामाजिक सम्मान का सवाल हमेशा संवेदनशील रहा है। पहाड़ की सामाजिक संरचना को अपेक्षाकृत सरल और समानतावादी बताने की कोशिशें होती रही हैं, लेकिन समय-समय पर सामने आने वाली घटनाएं इन दावों पर सवाल भी खड़े करती हैं। यही वजह है कि मंच शुद्धिकरण का विवाद राजनीतिक गलियारों से निकलकर अब सामाजिक बहस का विषय बन गया है। कांग्रेस का सबसे बड़ा सवाल यही है कि यदि किसी सार्वजनिक मंच को किसी व्यक्ति की मौजूदगी के बाद शुद्ध करने की जरूरत महसूस की गई, तो इसके पीछे की मानसिकता क्या थी? क्या यह केवल धार्मिक परंपरा का हिस्सा था, या फिर किसी व्यक्ति की सामाजिक पहचान से जुड़ा संदेश? इसका जवाब जांच से ही सामने आ सकता है। लेकिन इस पूरे विवाद ने एक पुराना सवाल फिर खड़ा कर दिया है क्या संविधान के बराबरी के सिद्धांत और समाज में मौजूद भेदभाव की मानसिकता के बीच अभी भी बड़ी खाई है?

राजनीतिक दल इस सवाल को अपने-अपने तरीके से इस्तेमाल करेंगे। आरोप लगेंगे, जवाब आएंगे और चुनावी मंचों पर यह मुद्दा और तेज हो सकता है। मगर लोकतंत्र के लिए जरूरी यह है कि किसी भी व्यक्ति की गरिमा और समान नागरिक अधिकारों से जुड़े सवालों को राजनीतिक शोर में दबने न दिया जाए। राजभवन तक पहुंची कांग्रेस की शिकायत के बाद अब गेंद सरकार और प्रशासन के पाले में है। देखना होगा कि यह मामला भी केवल बयानबाजी और राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप तक सिमटता है या वास्तव में जांच और कार्रवाई तक पहुंचता है। क्योंकि मंच का शुद्धिकरण हुआ या नहीं, यह जांच का विषय हो सकता है, लेकिन सार्वजनिक जीवन में बराबरी की कसौटी पर किसी नागरिक को खड़ा करना पूरे लोकतंत्र की परीक्षा है।

सभी पक्षों की सुनवाई के बाद ही दावे-आपत्तियों पर होगा निर्णय : एसडीएम

रुद्रपुर (आरएनएस)। किच्छा में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विधायक तिलकराज बेहड़ और पूर्व विधायक राजेश शुक्ला के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। इस बीच उपजिलाधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी गौरव पांडेय ने कहा कि निर्वाचक नामावलियों को त्रुटिरहित बनाने की प्रक्रिया सतत रूप से चलती रहती है। उन्होंने बताया कि एसआईआर के तहत लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी और नो मैपिंग के संबंध में जिन मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं, उनके दावे और आपत्तियों की सुनवाई की जा रही है। इसके अलावा 13 अगस्त तक प्राप्त दावे-आपत्तियों पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार नोटिस जारी करने की कार्रवाई चल रही है।उन्होंने कहा कि किसी भी मतदाता को घबराने या पैनिक होने की आवश्यकता नहीं है। एसडीएम ने बताया कि सभी दावे-आपत्तियों की सुनवाई निर्वाचन आयोग के समय-समय पर जारी निर्देशों के अनुसार निर्धारित अवधि में की जाएगी। आपत्तियों का समयबद्ध निस्तारण किया जाएगा। सभी संबंधित पक्षों को सुनने और प्रस्तुत साक्ष्यों का अध्ययन करने के बाद ही निर्णय लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य को पारदर्शी और त्रुटिहीन बनाने के उद्देश्य से यह प्रक्रिया अपनाई जा रही है। जिन मतदाताओं को नोटिस मिले हैं, वे निर्धारित तिथि तक संबंधित सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर अपने साक्ष्य प्रस्तुत कर सकते हैं। प्रशासन ने मतदाताओं से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि से पहले अपने अभिलेख प्रस्तुत कर सुनवाई प्रक्रिया पूरी करा लें।

रसूलपुर टोंगिया में पुल की एप्रोच ध्वस्त, राहगीर परेशान

रुड़की(आरएनएस)। क्षेत्र के रसूलपुर टोंगिया गांव के समीप बिहारीगढ़-रोशनाबाद मार्ग पर स्थित पुल की एप्रोच टूट जाने से राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण वाहन चालकों और पैदल यात्रियों को जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ रहा है। इसी मार्ग से बुग्गावाला क्षेत्र के दर्जनों गांवों के लोग प्रतिदिन सिडकुल स्थित विभिन्न कंपनियों में काम करने के लिए आते-जाते हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं भी इसी रास्ते से होकर अपने विद्यालय पहुंचते हैं। एप्रोच टूटने के कारण दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है, जिससे लोगों में चिंता का माहौल है। ग्रामीण नीटू कुमार, प्रेम राठौर, डॉ. शादाब, आशिक इलाही, मुर्तजा,राजिक का कहना है कि कई दिनों से पुल की एप्रोच क्षतिग्रस्त है, लेकिन अभी तक संबंधित विभाग द्वारा इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है। बरसात के मौसम में स्थिति और अधिक गंभीर हो गई है ,कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

क्रिकेट खिलाड़ियों को मिलेगा निशुल्क प्रशिक्षण

हरिद्वार(आरएनएस)। धर्मनगरी के क्रिकेट खिलाड़ियों को मुफ्त में कोचिंग मिलने जा रही है। पांच दिवसीय कोचिंग में फास्ट बोलिंग, बैटिंग, चोट रोकथाम आदि बहुत सारे फिटनेस डेवलपमेंट के स्किल्स मिलेंगे। क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ हरिद्वार के सचिव अमित कुमार राय ने बताया कि 24 अगस्त से पांच दिन तक हरिद्वार क्रिकेट क्लब जगजीतपुर में आयोजित होने वाले निशुल्क कोचिंग में फास्ट बोलिंग विकास, बल्लेबाजी कौशल विकास, स्टरेंग्थ एवं कंडीशनिंग, क्रिकेट विशिष्ट फिटनेस, गति चपलता, चोट रोकथाम, आधुनिक प्रशिक्षण पद्धति, तकनीकी एवं रणनीतिक विकास, प्रदर्शन विकास का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि बालक बालिका कोई भी प्रशिक्षित कोच से निशुल्क प्रशिक्षण प्राप्त कर सकता है। कई बार अच्छे खिलाड़ियों को आर्थिक तंगी के कारण अच्छा प्रशिक्षण नहीं मिलता है जिससे उनकी,प्रतिभा दबकर रह जाती है।

फॉर्म-7 को लेकर शिकायत की जांच में आरोप असत्य पाए

रुद्रपुर(आरएनएस)। कांग्रेस के बूथ लेवल एजेंट चंदन नयाल की ओर से फॉर्म-7 को लेकर की गई शिकायत की जांच में आरोप असत्य पाए गए हैं। उपजिलाधिकारी अमृता शर्मा ने बताया कि 14 जून को चंदन नयाल ने शिकायत कर आरोप लगाया था कि धीमरखेड़ा निवासी प्रेमवती की वर्ष 2015 में मृत्यु हो चुकी है। इसके बावजूद उनके नाम से पांच लोगों के संबंध में फॉर्म-7 पर आपत्तियां दर्ज की गई हैं। शिकायतकर्ता ने किसी अन्य व्यक्ति द्वारा फर्जी तरीके से फॉर्म-7 दाखिल किए जाने की आशंका जताते हुए कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत का संज्ञान लेते हुए संबंधित बीएलओ से जांच कराई गई।इसके साथ ही अधिकारी स्तर से भी मामले की जांच की गई। जांच के दौरान 21 अगस्त को प्रेमवती पत्नी बृजलाल, निवासी कुल्हा, स्वयं एसडीएम कार्यालय पहुंचीं। उन्होंने अपने बयान में स्पष्ट किया कि पांचों आपत्तियां उन्होंने स्वयं दाखिल की हैं। जांच में यह भी सामने आया कि शिकायत में उल्लिखित प्रेमवती पत्नी मदन सिंह, निवासी धीमरखेड़ा और फॉर्म-7 पर आपत्ति दर्ज कराने वाली प्रेमवती पत्नी बृजलाल, निवासी भुला, अलग-अलग महिलाएं हैं। दोनों के नाम समान होने के कारण भ्रम की स्थिति बनी थी। एसडीएम ने बताया कि जांच में फॉर्म-7 दाखिल करने वाली प्रेमवती पत्नी बृजलाल के जीवित होने और उनके द्वारा स्वयं आपत्तियां प्रस्तुत किए जाने की पुष्टि हुई है। ऐसे में किसी मृत महिला के नाम से फर्जी फॉर्म-7 दाखिल किए जाने का आरोप सही नहीं पाया गया। जांच के आधार पर मामले की तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट कर शिकायत का निस्तारण कर दिया गया है।

यूकेडी सियासी जमीन पर 'री-लांच'

◆वजूद बचाने को गांव-गांव बिछाया जा रहा यूकेडी का सांगठनिक जाल
◆राज्य बनाने वाला दल अपनी जगह ढूंढ रहा गांव-कस्बों पर टिकीं नजरें
◆लगातार हार और बिखराव के बीच नए सिरे से ताकत झोंकने की तैयारी

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर उत्तराखंड क्रांति दल ने अपनी चुनावी तैयारियों को गति देना शुरू कर दिया है। लंबे समय से प्रदेश की राजनीति में अपने लिए मजबूत जमीन तलाश रहे दल के सामने इस बार चुनौती केवल चुनाव लड़ने की नहीं, बल्कि संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने और जनता के बीच अपनी खोई राजनीतिक जगह वापस हासिल करने की भी है। यूकेडी कार्यकर्ताओं को अब गांव, कस्बे और विधानसभा क्षेत्रों में सक्रिय होने का संदेश दिया जा रहा है। राज्य गठन के आंदोलन से निकला यूकेडी उत्तराखंड की राजनीति में कभी मजबूत क्षेत्रीय विकल्प के रूप में देखा जाता था। लेकिन पिछले वर्षों में संगठनात्मक कमजोरी, नेतृत्व के स्तर पर खींचतान और लगातार बदलते राजनीतिक समीकरणों के चलते दल का प्रभाव सीमित हुआ है। अब आगामी विधानसभा चुनाव को दल के लिए राजनीतिक अस्तित्व और पुनरुत्थान की लड़ाई के रूप में देखा जा रहा है।

यूकेडी की रणनीति में सबसे बड़ा जोर स्थानीय मुद्दों को चुनावी राजनीति के केंद्र में लाने पर है। पहाड़ से पलायन, रोजगार, मूल निवास, भू-कानून, जल-जंगल-जमीन, गैरसैंण, पहाड़ी क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं शिक्षा की बदहाल स्थिति और स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार जैसे सवालों को लेकर कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाने की तैयारी है। दल के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इन मुद्दों पर भाजपा और कांग्रेस भी लगातार अपना राजनीतिक पक्ष रखती रही हैं। ऐसे में यूकेडी को जनता को यह भरोसा दिलाना होगा कि वह केवल चुनावी मौसम में क्षेत्रीय अस्मिता के सवाल उठाने वाला दल नहीं, बल्कि राज्य के हितों के लिए लगातार संघर्ष करने वाला राजनीतिक विकल्प है।

यूकेडी के भीतर संगठन को सक्रिय करने को लेकर बैठकों का दौर तेज होने की उम्मीद है। विधानसभा स्तर पर संभावित प्रत्याशियों और सक्रिय कार्यकर्ताओं की भूमिका तय करने के साथ ही बूथ स्तर पर टीम तैयार करने पर जोर दिया जा रहा है। पार्टी की कोशिश है कि चुनाव की घोषणा का इंतजार करने के बजाय उससे पहले ही संगठन को मैदान में उतार दिया जाए। कार्यकर्ताओं से कहा जा रहा है कि वह केवल सोशल मीडिया तक सीमित न रहें, बल्कि जनता के बीच जाकर स्थानीय समस्याओं को उठाएं। इससे पार्टी को दोहरा फायदा मिल सकता है एक तरफ संगठन सक्रिय होगा और दूसरी तरफ संभावित प्रत्याशियों की जमीनी पकड़ का भी आकलन हो सकेगा।

उत्तराखंड की राजनीति में युवा मतदाता निर्णायक भूमिका में हैं। रोजगार, प्रतियोगी परीक्षाओं, भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और पलायन जैसे मुद्दों को लेकर युवाओं के बीच असंतोष की चर्चा लगातार होती रही है। यूकेडी इस वर्ग को अपने साथ जोड़ने की कोशिश कर सकता है। दल के लिए चुनौती यह होगी कि वह युवाओं के बीच केवल भावनात्मक मुद्दों के बजाय रोजगार और राज्य की अर्थव्यवस्था को लेकर ठोस रोडमैप भी सामने रखे। युवा मतदाता अब केवल नारे नहीं, बल्कि अवसर और जवाबदेही की राजनीति भी चाहता है।

उत्तराखंड की चुनावी राजनीति में भाजपा और कांग्रेस के बीच मुख्य मुकाबला रहने की स्थिति में यूकेडी के लिए अपनी जगह बनाना आसान नहीं होगा। इसके अलावा अन्य राजनीतिक दल भी क्षेत्रीय और स्थानीय मुद्दों को लेकर मैदान में सक्रिय हैं। ऐसे में यूकेडी को अपने पुराने आंदोलनकारी तेवर के साथ संगठनात्मक मजबूती और नए राजनीतिक नैरेटिव का संयोजन करना होगा। यूकेडी के लिए आगामी विधानसभा चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह तय करेगा कि राज्य गठन के आंदोलन से निकली क्षेत्रीय राजनीति उत्तराखंड की नई पीढ़ी के बीच कितनी प्रासंगिक रह गई है। यदि दल अपने पारंपरिक मुद्दों को युवाओं के रोजगार, शिक्षा और भविष्य से जोड़ने में सफल रहता है और संगठन को बूथ स्तर तक खड़ा कर पाता है, तो वह चुनावी मुकाबले में अपनी मौजूदगी प्रभावी ढंग से दर्ज करा सकता है।

फिलहाल यूकेडी के कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ने लगी है और संकेत साफ हैं इस बार चुनावी रण में उतरने से पहले संगठन मैदान तैयार करने की कोशिश में है। अब देखना यह होगा कि यह सक्रियता केवल बैठकों और नारों तक सीमित रहती है या गांव-गांव तक वास्तविक राजनीतिक अभियान में बदलती है।

पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाएं

रुद्रपुर (आरएनएस)। अल्पसंख्यक आयोग की उपाध्यक्ष फरजाना बेगम की अध्यक्षता में शनिवार को उनके कैंप कार्यालय में आयोग की बोर्ड बैठक हुई। इसमें पात्र लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए गए। बैठक में अल्पसंख्यक समाज से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों और प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। बैठक में अल्पसंख्यक समुदाय के हितों, अधिकारों और कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। पात्र लाभार्थियों तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के साथ ही आयोग के समक्ष प्राप्त प्रकरणों और जनसमस्याओं का त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण सुनिश्चित करने पर विचार-विमर्श किया गया। उपाध्यक्ष फरजाना बेगम ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।' सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना के अनुरूप अल्पसंख्यक समाज के कल्याण और विकास से जुड़े विषयों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने आयोग के सदस्यों से अल्पसंख्यक समाज से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के साथ आयोग के समक्ष लाने और उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों से बेहतर समन्वय स्थापित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बेहतर समन्वय से लोगों को समय पर प्रभावी राहत दिलाई जा सकेगी।

जीवन कौशल शिक्षा से जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार हो रहे बच्चे

अल्मोड़ा (आरएनएस)। ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों और किशोर-किशोरियों को जीवन की चुनौतियों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से आरोही संस्था अल्मोड़ा जिले के भैसियाछाना और धौलादेवी विकासखंड के 18 सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों में जीवन कौशल शिक्षा कार्यक्रम संचालित कर रही है। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में आत्मविश्वास, निर्णय क्षमता और व्यवहारिक कौशल विकसित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। संस्था के अनुसार कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को स्वास्थ्य, शिक्षा, व्यक्तिगत स्वच्छता, संवाद कौशल, सकारात्मक व्यवहार और सही निर्णय लेने जैसे महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक बनाना है। इसके साथ ही उन्हें सही और गलत के बीच अंतर समझने तथा जीवन की विभिन्न परिस्थितियों का आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए तैयार किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत गतिविधि आधारित और सहभागी शिक्षण पद्धति अपनाई जा रही है। खेल, समूह चर्चा, प्रश्नोत्तर, रचनात्मक गतिविधियों और व्यवहारिक अभ्यासों के माध्यम से बच्चों को विषयों की जानकारी दी जा रही है। इससे बच्चे केवल सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित नहीं रहते, बल्कि स्वयं गतिविधियों में भाग लेकर सीखने और उसे दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित होते हैं। आरोही संस्था बच्चों को अपनी भावनाओं को समझने, समस्याओं का समाधान खोजने, सही निर्णय लेने और दूसरों के साथ सकारात्मक व्यवहार विकसित करने के लिए भी प्रोत्साहित कर रही है। संस्था का प्रयास है कि किशोर-किशोरियों को ऐसा सुरक्षित और सहयोगी वातावरण मिले, जहां वे खुलकर अपनी बात रख सकें और जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सही मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के सफल संचालन में विद्यालयों के शिक्षकों की भी अहम भूमिका है। शिक्षक बच्चों को गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करने के साथ संस्था की टीम के साथ समन्वय बनाकर कार्यक्रम को प्रभावी बना रहे हैं। संस्था का मानना है कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए विद्यालय, शिक्षक, अभिभावक और सामाजिक संस्थाओं के बीच समन्वित प्रयास आवश्यक हैं।

बच्चों को अनुशासित करने ये उपाय करें

बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए उनमें अनुशासन का भाग जगाना भी जरुरी है। इसलिए उसे प्यार देने के साथ ही थोड़ी बहुत सख्ती भी जरुरी है। इससे बच्चा सही और गलत का अंतर कर सकता है। इसलिए बच्चा अगर कभी भी अनुशासन तोड़ता है तो उसके सजा देना भी जरुरी है ताकि वह अपनी गलती समझ सके। हां यह सजा ज्यादा कठिन नहीं होनी चाहिये। यदि आप चाहते हैं कि बच्चे के साथ संबंध बेहतर बनाए रहते हुये, संयम के साथ, कैसे उसे अनुशासित किया जाये, तो बस आपको कुछ अपाय करने होंगे।

अपने बच्चे को स्वाभाविक परिणामों के बारे में शिक्षा दीजिये। अपने बच्चे को उसके बुरे व्यवहार के स्वाभाविक परिणामों के संबंध में समझा कर आप उससे होनी वाली निराशा की जानकारी दे सकते हैं और उसे बता सकते हैं कि उसका बुरा व्यवहार उसे दुखी कर सकता है जिससे उसे पछतावा होगा। कठिन परिस्थितियों में से उसे निकालने के स्थान पर, बच्चे को उसके नकारात्मक कृत्यों से स्वयं ही निबटने दीजिये। स्वाभाविक परिणामों को समझने के लिए, बच्चे को कम से कम छः वर्ष का होना चाहिए।

यदि बच्चा कोई खिलौना तोड़ देता है या वह उसे धूप में छोड़ कर नष्ट कर देता है, तब एकदम उसे नया खिलौना मत दिलवाइए। बच्चे को कुछ समय तक बिना खिलौने के रहने दीजिये, और उससे बच्चा अपनी चीजों की ठीक से देखभाल करना सीख जाएगा। बच्चे को जिम्मेदारी की शिक्षा दीजिये। यदि बच्चा अपना गृहकार्य टीवी देखने के कारण नहीं कर पाया है तो उसका गृहकार्य पूरा कराने में उसकी मदद करने के स्थान पर, बच्चे को बुरे ग्रेड से उत्पन्न होने वाली निराशा का सामना करने दीजिये।

यदि बच्चे को अपने बुरे व्यवहार के कारण किसी पार्टी में नहीं निमंत्रित किया गया है, तब उसे यह समझ में आने दीजिये कि यदि उसका व्यवहार उस बच्चे के साथ कुछ और होता तब उसे निमंत्रित किया जा सकता था।

अपने बच्चे को तर्कसंगत परिणामों की शिक्षा दीजिये। तर्कसंगत परिणाम वे परिणाम होते हैं जो आप के अनुसार बच्चे के बुरे व्यवहार के परिणामस्वरूप उत्पन्न होंगे। इनको सीधे सीधे बच्चे के व्यवहार से सम्बद्ध होना चाहिए ताकि बच्चा, भविष्य में उनको नहीं करने की शिक्षा प्राप्त कर सके। हर प्रकार के बुरे व्यवहार का तर्कसंगत परिणाम होना चाहिए, और परिणाम समय से पहले ही बता दिये जाने चाहिए।

यदि बच्चा अपने खिलौने संभाल कर नहीं रखता है तब उसे एक सप्ताह तक खिलौने न दें।

यदि आप बच्चे को टी वी पर कुछ गैरजरुरी कार्यक्रम देखते हुये पाएँ तो एक सप्ताह के लिए टी वी की सुविधा बंद कर दीजिये।

यदि बच्चा अच्छा व्यवहार नहीं करता तो उसे अपने मित्रों के साथ मत खेलने जाने दीजिये। इससे उसे सबक मिलेगा।

अपने बच्चे को सकारात्मक अनुशासन विधियों की शिक्षा दीजियेरू सकारात्मक अनुशासन बच्चे के साथ कार्य की ऐसी विधि है, जिसके अनुसार इस प्रकार के सकारात्मक निष्कर्ष पर पहुँचने में सहायता मिलती है जिससे कि बच्चा समझ सके कि बुरे व्यवहार के परिणाम क्या होंगे और वह भविष्य में उनसे बच सके। बच्चे को सकारात्मक रूप से अनुशासित करने के लिए आपको बच्चे के साथ बैठ कर उसके बुरे व्यवहार के संबंध में चर्चा करनी चाहिए और क्या क्या जा सकता है इस पर विचार करना चाहिए।

बच्चे को पुरस्कृत करने की प्रणाली भी निर्धारित करिएरू पुरस्कृत करने की पद्धति भी निर्धारित की जानी चाहिए, ताकि सकारात्मक व्यवहार के सकारात्मक परिणाम भी हो सकें। भूलिए मत कि अच्छे व्यवहार को सुदृढ़ करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना बुरे व्यवहार को अनुशासित करना। बच्चे को यह दिखाने से कि, ठीक व्यवहार कैसे किया जा सकता है, उसको यह समझने में सहायता मिलेगी कि उसे क्या नहीं करना चाहिए।

भाषण न दें रू ये पद्धतियाँ न केवल प्रभावहीन होती हैं, बल्कि इनके कारण आपका बच्चा आपसे नाराज हो कर आपकी उपेक्षा भी कर सकता है तथा आपके शब्दों और कृत्यों से उसे मानसिक और शारीरिक आघात भी लग सकता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

कैन्ट विधानसभा में रक्षाबंधन का उल्लास, मातृशक्ति ने बांधा रक्षा सूत्र

हमारे संवाददाता

देहरादून। कैन्ट विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता एवं कार्यक्रम संयोजक अभिनव थापर द्वारा हजारों महिलाओं के लिए 'रक्षाबंधन महोत्सव 2026' का भव्य आयोजन कांवली रोड स्थित वैडिंग पॉइंट में किया गया। कार्यक्रम में भाई-बहन के अटूट प्रेम, विश्वास और स्नेह के प्रतीक रक्षाबंधन पर्व को उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। कैन्ट विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों एवं वार्डों से बड़ी संख्या में मातृशक्ति एवं क्षेत्रवासी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सीडब्ल्यूसी सदस्य भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, नई दिल्ली के गुरदीप सिंह सप्पल एवं पूर्व मंत्री एवं अध्यक्ष चुनाव प्रबंधन समिति, उत्तराखंड कांग्रेस कमेटी डॉ. हरक सिंह रावत का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। दोनों मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। इसके उपरांत उपस्थित मातृशक्ति ने मुख्य अतिथियों, कार्यक्रम संयोजक अभिनव थापर सहित अन्य नेताओं एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रक्षा सूत्र बांधकर अपना स्नेह एवं आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर राधा-कृष्ण एवं वृंदावन की सुंदर झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य अतिथि

गुरदीप सिंह सप्पल ने कहा कि रक्षाबंधन सामाजिक सद्भाव, सम्मान और आपसी विश्वास का पर्व है। यह पर्व

◆रक्षा सूत्र आपसी विश्वास और जिम्मेदारी का प्रतीकः डा. हरक सिंह
◆मातृशक्ति का आशीर्वाद और स्नेह हमारी सबसे बड़ी ताकतः थापर

भाई-बहन के पवित्र रिश्ते की मजबूती के साथ-साथ समाज में आपसी स्नेह, सम्मान और एकता की भावना को भी मजबूत करता है। मुख्य अतिथि डॉ. हरक सिंह रावत ने कहा कि रक्षा सूत्र केवल परंपरा नहीं, बल्कि आपसी विश्वास और जिम्मेदारी का प्रतीक है। रक्षाबंधन हमें अपनी बहनों के सम्मान, सुरक्षा और उनके अधिकारों के प्रति जिम्मेदार होने का संदेश देता है। उन्होंने आयोजन के लिए संयोजक अभिनव थापर एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम संयोजक एवं प्रदेश प्रवक्ता कांग्रेस अभिनव थापर ने कहा कि मातृशक्ति का आशीर्वाद और स्नेह हमारी सबसे बड़ी ताकत है। रक्षाबंधन हमारी संस्कृति, सामाजिक सौहार्द और आपसी विश्वास का पर्व है। कैन्ट विधानसभा क्षेत्र में सामाजिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से लोगों को जोड़ने तथा आपसी भाईचारे को मजबूत करने का प्रयास निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कार्यक्रम में शामिल सभी मातृशक्ति, क्षेत्रवासियों एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में महामंत्री संगठन राजेन्द्र भंडारी, जसविंदर गोगी, नवीन जोशी, चरणजीत कौशल, संग्राम सिंह पुंडीर, संगीता गुप्ता, गरिमा दसौनी, पिया थापा, रामकुमार थपलियाल सहित कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

पुलिस ने साइबर ठगी व नशे के खिलाफ ग्रामीणों को किया जागरूक

संवाददाता

देहरादून। एसएसपी श्रीमती श्वेता चौबे के निर्देश पर जनपद पुलिस द्वारा साइबर अपराध, महिला अपराध एवं नशे के विरुद्ध लगातार जन-जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी चंबा के पर्यवेक्षण में कोतवाली कैम्पटी पुलिस द्वारा ग्राम लग्वाल गाँव, पट्टी छैज्यूला के पंचायत भवन में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ग्राम प्रधान, पंचायत सदस्य, महिलाएं, युवा एवं ग्रामीण शामिल हुए।

पुलिस टीम ने ग्रामीणों को साइबर ठगी के नए तरीकों, ओटीपी/ पीन/सीवीवी साझा न करने, संदिग्ध लिंक से बचने तथा फर्जी केवाईसी/बैंक कॉल से सतर्क रहने की जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि साइबर ठगी होने पर तत्काल 1930 पर कॉल करें अथवा साइबर क्राईम. गोर्वमेंट. इन पर शिकायत दर्ज करें, ताकि ठगी की रकम को फ्रीज कराने की कार्रवाई में मदद मिल सके। महिलाओं को महिला सुरक्षा, घरेलू हिंसा एवं सोशल मीडिया अपराधों के प्रति जागरूक किया गया, जबकि युवाओं को नशे के दुष्परिणाम बताते हुए नशे से दूर रहने तथा नशे की अवैध गतिविधियों की सूचना पुलिस को देने की अपील की गई। टिहरी पुलिस की अपील की है कि साइबर अपराध, महिला अपराध अथवा नशे से संबंधित किसी भी गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। जनसहयोग से ही सुरक्षित एवं नशामुक्त समाज का निर्माण संभव है।

शब्द सामर्थ्य -046

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

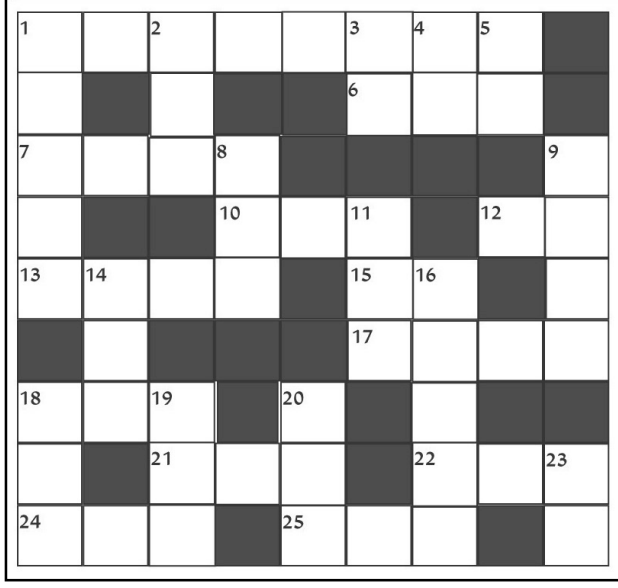

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 45 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

चिरंजीवी के जन्मदिन पर प्रशंसकों को तोहफा!

मेगास्टार चिरंजीवी ने अपने 71वें जन्मदिन पर फैंस को बड़ा तोहफा देते हुए अपनी अगली फिल्म के नाम की घोषणा कर दी है। बॉबी कोली के निर्देशन में बनी उनकी इस फिल्म का नाम काका रखा गया है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के चुनिंदा सिनेमाघरों में इस फिल्म का एक टीजर रिलीज किया गया है। वाल्टेयर वीरय्या के बाद इस जोड़ी की ये दूसरी फिल्म है, जिसे केवीएन प्रोडक्शंस के बैनर तले बनाया जा रहा है। फिल्म की झलक में चिरंजीवी एक नए अवतार और अनोखे तेवर में नजर आ रहे हैं। इसमें उन्हें रावुलपालेम की अम्माजी एक्का इंडस्ट्रीज में काम करने वाले सुपरवाइजर सत्यम के रूप में दिखाया गया है। शुरुआत के कुछ मिनट समुद्री भोजन और मछली के कारोबार की पृष्ठभूमि पर आधारित हैं, जहां झींगा, मछली और तटीय इलाके के काम-काज को दिखाया गया है। इससे सत्यम एक आम और साधारण जिंदगी जीने वाले मेहनतकश इंसान के रूप में नजर आते हैं।

टीजर का दूसरा भाग इस माहौल को पूरी तरह बदल देता है। इसमें अचानक गोलियों की आवाज, हिंसा और सत्यम का एक ऐसा रूप सामने आता है, जिसका झींगा या मछली के कारोबार से कोई लेना-देना नहीं है।

ये झलक 71 साल के सुपरस्टार के एक बिल्कुल नए, खूंखार और एक्शन से भरपूर अंदाज को दिखाती है, जो उनके पिछले किरदारों से एकदम अलग है। चिरंजीवी के इस ने दर्शकों के रोमांच को कई गुना बढ़ा दिया है। ये फिल्म चिरंजीवी के 2 बिल्कुल विपरीत और अनोखे रूपों को बड़े पर्दे पर जीवंत करती है। इस फिल्म में उनका किरदार 2 दिलचस्प आयामों में बंटा हुआ है।

जहां एक ओर वो बेहद सीधे-साधे, सरल स्वभाव वाले और जमीन से जुड़े एक मध्यमवर्गीय इंसान सत्यम की भूमिका में दिखाई देते हैं, वहीं दूसरी ओर उनका एक ऐसा युवा अवतार भी सामने आता है, जो अपने तीखे तेवर और आत्मविश्वास से भरपूर अंदाज से हर किसी को आकर्षित करता है।

मेकर्स ने फिल्म का टाइटल टीजर शेयर करते हुए इसकी रिलीज डेट से पर्दा उठाते हुए लिखा है, सुपरवाइजर सत्यम से मिलिए. अम्माजी अक्का इंडस्ट्रीज, रवुलापालेम. टीम %काका' की तरफ से इकलौते मेगास्टार चिरंजीवी को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं. 13 जनवरी 2027 संक्रांति रिलीज.

आवारापन 2 से रिलीज हुआ इमरान हाशमी का नया गाना पिया घर आया!

इमरान हाशमी की हालिया रिलीज फिल्म आवारापन 2 का जादू दर्शकों के सिर चढ़कर बोल रहा है। जो काम उनकी पिछली रिलीज कोई फिल्में न कर सकीं, वो इस एक्शन थ्रिलर ने कर दिखाया और खुद को 100 करोड़ कमाने वाली फिल्मों में शामिल कर लिया। नितिन कक्कड़ द्वारा निर्देशित और विशेष भट्ट द्वारा निर्मित, फिल्म से नया गाना पिया घर आया रिलीज हुआ है। इसे रूहानी आवाज, दर्दभरे भरे संगीत व गहरे शब्दों में पिरोकर तैयार किया गया है। सोनी म्यूजिक कंपनी द्वारा निर्मित पिया घर आया गाने को अखिल सचदेव ने गाया, लिखा और कंपोज किया है। वीडियो में इमरान के साथ फिल्म की अभिनेत्री दिशा पाटनी भी मौजूद हैं। इसमें फिल्म के दृश्यों का इस्तेमाल किया गया है और बैकग्राउंड में कुछ डांसर भी हैं। यूट्यूब पर गाना सुनने के बाद लोग इसकी तारीफ कर रहे हैं और इसे सुकून देने वाला बता रहे हैं। बता दें, आवारापन 2 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

रवि तेजा की डिवोशनल ड्रामा फ़िल्म इरुमुडी बनी की बिगेस्ट ओपनर

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों रवि तेजा की फिल्म इरुमुडी ने धाक जमा रखी है. फिल्म ने पहले ही दिन डबल डिजिट में शुरुआत की है. किसी भी फिल्म के लिए पहले ही दिन डबल डिजिट में कमाई करना बेहतरीन माना जाता है. ऐसे में इरुमुडी ने रवि तेजा के करियर में भी एक अलग ही रिकॉर्ड बना दिया है. ये उनकी अभी तक की बेस्ट ओपनिंग करने वाली फिल्म बन चुकी है. तेलुगु फिल्म इरुमुडी एक फैमिली एक्शन थ्रिलर मूवी है. इसे दर्शकों और क्रिटिक्स की ओर से अच्छा खासा रिस्पांस मिला था. वर्ड ऑफ माउथ का फायदा इस फिल्म को मिला और जबरदस्त ऑक्यूपेंसी भी दर्ज की गई. रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म ने ओपनिंग डे पर 14.8 करोड़ का इंडियन बॉक्स ऑफिस पर कलेक्शन किया था. इसका ग्रॉस कलेक्शन 17.46 करोड़ था. 14.8 करोड़ की कमाई के साथ ही इरुमुडी रवि तेजा के करियर की बिगेस्ट ओपनर बन चुकी है. फिल्म ने रवि तेजा की क्रैक (9.95 करोड़) को पीछे छोड़ दिया है. इसने 48.74त्न ज्यादा कमाई की है. ये रवि तेजा की पहली फिल्म बन चुकी है, जिसने ओपनिंग डे पर 10 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया है. तेलुगु फिल्म इरुमुडी 2026 की पांचवी बिगेस्ट ओपनर बन चुकी है. इसने पहले ही दिन इंडियन बॉक्स ऑफिस पर कमाल का बिजनेस कर लिया है. ये पवन कल्याण की फिल्म उस्ताद भगत सिंह (34.75 करोड़) के पीछे है. बहरहाल, अगर तेलुगु फिल्म इरुमुडी के बारे में बात की जाए तो ये तेलुगु की एक्शन थ्रिलर फिल्म है. इसमें रवि तेजा लीड रोल में हैं और फिल्म में एक पिता और बेटी की कहानी देखने के लिए मिलती है. फिल्म का निर्देशन शिवा निर्वाणा ने किया है. इसमें रवि के साथ ही प्रिया भवानी शंकर लीड रोल में हैं. वहीं, रवि तेजा की लगातार फ्लॉप के बाद ये पहली फिल्म है, जिसे दर्शकों से अच्छा खासा रिस्पांस मिला.

डिंपी के ट्रांसफॉर्मेशन पर बोलीं हर्षिता गौर, अब इमोशनली समझदार और मेंटली स्ट्रॉन्ग हूं

अभिनेत्री हर्षिता गौर आगामी फिल्म मिर्जापुर में फिर से डिंपी पंडित के किरदार से वापसी कर रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि मिर्जापुर वेब सीरीज से लेकर अब तक उनके काम में काफी ग्रोथ देखने को मिली है। अभिनेत्री ने आगामी फिल्म मिर्जापुर में फिर से डिंपी पंडित के किरदार के बारे में बताया कि वह अब पहले से बड़ी हो गई है। उन्होंने कहा, डिंपी के किरदार में काफी ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है, उसने अपनी जिंदगी में बहुत तरक्की की है। मिर्जापुर के हालात कुछ ऐसे हैं कि एक समय के बाद आपको खुद को चुनना होता है और डिंपी ने भी कुछ ऐसा ही किया है। उन्होंने आगे कहा, वह इमोशनली समझदार और मेंटली मजबूत है, वह समझती है कि उसे अपनी ताकत दिखाने के लिए इस अफरा-तफरी का हिस्सा बनने की जरूरत नहीं है।

अभिनेत्री ने आगे शो की पॉपुलैरिटी के बारे में बात की। उन्होंने कहा, अगर ये फिल्म सीधे आती तो हमें पता नहीं चलता कि दर्शक उसे कैसा रिस्पॉन्स देंगे, लेकिन लोग पहले से ही शो के इतने बड़े फैन हैं और इसे और ज्यादा देखना चाहते हैं। पहले सीजन वाला वही अंदाज वापस आ गया है, इसलिए मुझे लगता है कि ये सारी चीजें इस एक्सपीरियंस को और भी बेहतर बनाएंगी।

अभिनेत्री ने बताया कि डिंपी से उन्हें सीखने को मिला, कि चाहे कुछ भी हो जाए, अपने डायनामिक्स में नहीं फंसना चाहिए। आपको अपनी बात रखनी होगी, और आप बिना लड़ाई-झगड़े के ऐसा कर सकते हैं।हर्षिता गौर ने कहा, असल दुनिया फिक्शन को इंस्पायर करती है और कभी-कभी फिक्शन भी असल दुनिया को दिखाता है। इसलिए, मुझे नहीं लगता कि यह किसी चीज को सेंसेशनल बनाने के बारे में है।

स्क्रीन पर कैरेक्टर को जस्टिफाई करना एक एक्टर की जिम्मेदारी: समीक्षा भटनागर

टेलीविजन अभिनेत्री समीक्षा भटनागर इन दिनों टीवी सीरियल अनुपमा में श्रुति आहूजा के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का मानना है कि वे खुशकिस्मत हैं कि उन्हें श्रुति का दिलचस्प किरदार करने और डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस में काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री ने कहा, टीवी सीरियल अनुपमा पहले से बहुत लोकप्रिय शो है, जब मुझे डीकेपी (डायरेक्टर्स कट प्रोडक्शन) प्रोडक्शंस की तरफ से मुझे श्रुति आहूजा का किरदार निभाने को मिला, तो मैंने सबसे पहले उसे समझा। मुझे लगा कि इसमें दम है और यह मुझ पर सूट करता है। इसी बात ने मुझे जल्दी से रोल करने के लिए मना लिया और अब लोगों को भी यह किरदार पसंद आ रहा है। अभिनेत्री ने आगे श्रुति आहूजा के किरदार के बारे में बताया, हर रोल एक नया चैलेंज लेकर आता है और श्रुति आहूजा का किरदार भी कुछ ऐसा ही था। वह एक मां है, जिन्हें अपनी बेटी के लिए खुद को जस्टिफाई करना पड़ता है। वह अपनी बेटी से प्यार करती हैं, लेकिन वह एक नेगेटिव कैरेक्टर नहीं हैं और मैं नहीं चाहती थी कि लोग उन्हें उस तरह से देखें।उन्होंने आगे कहा, मेरा मानना है कि स्क्रीन पर उस कैरेक्टर को जस्टिफाई करना एक एक्टर की जिम्मेदारी है।

अभिनेत्री ने आगे बताया कि जब भी उन्हें कोई रोल ऑफर होता है, तो वह पहले अपने किरदार के बारे में सोचती हैं कि उसमें क्या नयापन लाया जा सकता है। उन्होंने कहा, जब भी मुझे कोई रोल ऑफर होता है, तो मेरे लिए यह समझना बहुत जरूरी होता है कि मैं उस किरदार में क्या ला सकती हूं। एक एक्टर के तौर पर, मैं उसमें क्या योगदान दे सकती हूं? उसके बाद, कैरेक्टर के बारे में मेरी समझ बहुत जरूरी हो जाती है। मेरे लिए स्क्रीन पर रोल के साथ जस्टिस करना और यह पक्का करना भी उतना ही जरूरी है कि लोग उससे कनेक्ट करें।

ड्रोन हमले को नाकाम करने वाले कैप्टन वैभव को सेना सम्मान

विकासनगर (आरएनएस)। जनजातीय क्षेत्र जौनसार-बावर के ग्राम हमरौऊ, खत सिली गोथान निवासी भारतीय सेना में कैप्टन के पद पर तैनात वैभव सिंह चौहान को उनकी वीरता और अदम्य साहस के लिए चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कमेंडेशन कार्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। कैप्टन वैभव को यह सम्मान ऑपरेशन सिंदूर के दौरान प्रदर्शित साहस, सूझबूझ और सही समय पर लिए गए सटीक निर्णय के लिए प्रदान किया गया। बताया गया कि 8 मई 2025 को राजस्थान के जैसलमेर क्षेत्र में पाकिस्तान की ओर से आए ड्रोन के खतरे के दौरान कैप्टन वैभव ने अदम्य साहस और सूझबूझ का परिचय देते हुए सभी ड्रोन को हवा में ही नष्ट कर दिया। उनकी त्वरित कार्रवाई से न केवल उनकी स्वयं की सुरक्षा सुनिश्चित हुई, बल्कि पूरी बटालियन को भी संभावित खतरे से बचाया जा सका। उनकी इस वीरतापूर्ण कार्रवाई की सेना के उच्च अधिकारियों ने सराहना की। उनकी उत्कृष्ट सेवा और बहादुरी को देखते हुए उन्हें चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कमेंडेशन कार्ड से सम्मानित किया गया। जैसे ही यह जानकारी जौनसार-बावर क्षेत्र में पहुंची, ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर दौड़ गई। कैप्टन वैभव के पिता बलवीर सिंह ने कहा कि यह सम्मान केवल उनके परिवार के लिए गौरव की बात नहीं है, बल्कि पूरे जौनसार-बावर क्षेत्र के लिए सम्मान और गर्व का विषय है।

सोलानीपुरम में पहली बार बिछेगी गैस पाइपलाइन, विकास को मिली नई रफ्तार

रुड़की(आरएनएस)। नगर के वार्ड नंबर तीन सोलानीपुरम में अब घरों तक पाइपलाइन के जरिए प्राकृतिक गैस पहुंचाने की दिशा में कदम बढ़ा दिया गया है। नेचुरल गैस प्राइवेट लिमिटेड, हरिद्वार की ओर से वार्ड में पहली बार गैस पाइपलाइन डालने के कार्य का शुभारंभ किया गया। कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्य का शुभारंभ करते हुए क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दीं। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सोलानीपुरम में गैस पाइपलाइन का पहुंचना क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि है। इससे आने वाले समय में लोगों को प्राकृतिक गैस की सुविधा का लाभ मिल सकेगा और क्षेत्र के विकास को नई दिशा मिलेगी। पार्षद देवकी जोशी ने सभी क्षेत्रवासियों का आभार जताते हुए कहा कि यह कार्य सभी के सहयोग से संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए जनता का सहयोग और आशीर्वाद इसी तरह मिलता रहा तो आने वाले समय में कई और विकास कार्य कराए जाएंगे।कार्यक्रम की अध्यक्षता रामेश्वर ने की। उन्होंने गैस पाइपलाइन के कार्य को क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे सोलानीपुरम के विकास में नया अध्याय जुड़ा है।

सू- दोकू क्र.046

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.45 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

मज़खाली से उठी पुरानी पेंशन बहाली की हुंकार, देहरादून महारैली में बड़ी भागीदारी का संकल्प

रानीखेत। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन (एनएमओपीएस) के बैनर तले मज़खाली पंचायत भवन में आयोजित बैठक में पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर कर्मचारियों और शिक्षकों ने एकजुटता दिखाई। बैठक में 13 सितंबर को देहरादून में प्रस्तावित प्रांतीय महारैली को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार करते हुए द्वाराहाट, चौखुटिया और सोमेश्वर क्षेत्र से बड़ी संख्या में प्रतिभाग करने का संकल्प लिया गया। बैठक में वक्ताओं ने कहा कि पुरानी पेंशन केवल कर्मचारियों का आर्थिक मुद्दा नहीं, बल्कि उनके सुरक्षित भविष्य और सामाजिक सुरक्षा से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि वर्षों तक सरकारी सेवा देने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन मिलना चाहिए। इस दौरान कर्मचारियों ने पोस्टर और बैनर के माध्यम से पुरानी पेंशन बहाली की मांग को बुलंद किया। मेरा वोट, मेरा हक जैसे नारों के साथ कर्मचारियों ने सरकार से पुरानी पेंशन व्यवस्था को बहाल करने की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि अब इस मुद्दे को केवल कर्मचारी संगठनों तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि आम जनता के बीच भी व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। बैठक में सभी विभागों के शिक्षकों और कर्मचारियों से 13 सितंबर को देहरादून में आयोजित महारैली में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर आंदोलन को मजबूत बनाने की अपील की गई। बैठक की अध्यक्षता प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष ललित पालीवाल ने की, जबकि संचालन देवेंद्र भट्ट ने किया। इस अवसर पर संगठन की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए ललित मोहन आर्य, रमेश चंद्र पुजारी, देवेंद्र भट्ट, ललित मोहन जोशी, सुमित सहित आठ सदस्यों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गईं। कार्यक्रम में ब्लॉक अध्यक्ष मोहन जोशी, महामंत्री नंदा बल्लभ मैनाली, कोषाध्यक्ष तारा सिंह रौतेला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष गोपाल कृष्ण, उपाध्यक्ष मनीष पांडे, जिला आईटी सेल प्रभारी दीपक पांडे, रमेश पुजारी, प्रताप जलाल, सुरेश कुमार, राजेंद्र कुमार, बबिता पुजारी, ऋतु लोहनी, रेनू दरमोली, खुशबू वर्मा सहित बड़ी संख्या में शिक्षक और कर्मचारी मौजूद रहे।

गन्ने का दाम 800 रुपये क्विंटल करे सरकार

हरिद्वार (आरएनएस)। रोशनाबाद स्थित जिला मुख्यालय पर भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) का तीन दिवसीय धरना स्थगित हो गया। किसान अपनी कई मांगों और वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए धरना दे रहे थे। उनका आरोप है कि सरकार सिर्फ आश्वासन के भरोसे चल रही है। इस दौरान किसानों ने सात सूत्रीय ज्ञापन एडीएम वैभव गुप्ता को सौंपा।गढ़वाल मंडल अध्यक्ष संजय चौधरी, सूबा सिंह ढिल्लों ने कहा कि सरकार किसानों के धैर्य की परीक्षा लेना बंद करे। बार?-बार अपनी मांगों के लिए किसानों को धरना देना पड़ता है। आरोप लगाया कि सरकार किसानों की समस्याओं पर ध्यान नहीं दे रही है जिसके कारण किसानों को सड़क पर आंदोलन करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि गन्ने का दाम 800 रुपये क्विंटल किया जाए। जब चीनी के दाम बढ़ सकते हैं तो गन्ने के दाम भी बढ़ने चाहिए। जिलाध्यक्ष विजय कुमार शास्त्री, जिला उपाध्यक्ष आकाश ने कहा कि जब स्मार्ट मीटर का किसान विरोध कर रहे हैं तो सरकार जबरदस्ती लगाने पर किसलिए दबाव बना रही है। इस अवसर पर गढ़वाल मंडल महासचिव प्रदीप चौधरी, युवा मंडल अध्यक्ष पंकज चौधरी, तहसील अध्यक्ष अभिजीत सिंह, धर्मेंद्र सिंह, जितेंद्र, हरविंदर सिंह, लव कुमार, चौधरी देवपाल, राकेश तोमर आदि सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

शहीद कैलाश रौतेला के नाम पर मार्ग का नामकरण, स्मृति पट्ट का अनावरण

अल्मोड़ा (आरएनएस)। कारगिल युद्ध के अमर शहीद कमांडो कैलाश चंद रौतेला की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के उद्देश्य से नगर के हनुमान मंदिर वार्ड में उनके नाम पर मार्ग का नामकरण किया गया। आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में शहीद कैलाश रौतेला मार्ग के स्मृति पट्ट का अनावरण और मार्ग का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने शहीद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके साहस और सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि देश की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर सैनिकों की स्मृतियों को संजोना समाज का दायित्व है। शहीद कैलाश रौतेला के नाम पर मार्ग का नामकरण आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रभक्ति, साहस और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देता रहेगा। शहीद कैलाश चंद रौतेला का जन्म 28 दिसंबर 1966 को अल्मोड़ा के गंगोला मोहल्ले में हुआ था। उनकी प्रारंभिक और उच्च शिक्षा अल्मोड़ा में ही हुई। वर्ष 1988 में वह आईटीबीपी में भर्ती हुए और बाद में एसपीजी में कमांडो प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने राष्ट्रपति भवन सहित कई महत्वपूर्ण स्थानों पर सेवाएं देने के साथ अनेक विशिष्ट व्यक्तियों की सुरक्षा का दायित्व भी निभाया। कारगिल युद्ध के दौरान ऑपरेशन विजय में 30 मई 1999 को जम्मू-कश्मीर के बनिहाल क्षेत्र में कर्तव्य निभाते हुए वह वीरगति को प्राप्त हुए। उनके अदम्य साहस और बलिदान ने अल्मोड़ा ही नहीं, पूरे देश को गौरवान्वित किया।

खराब ट्यूबवेल से ग्रामीणों के घरों में पानी का संकट

हल्द्वानी(आरएनएस)। गौलापार के किशनपुर पौड़ियाल में ट्यूबवेल खराब होने से पानी का गंभीर संकट बना हुआ है। बीस दिन बाद भी ट्यूबवेल ठीक नहीं होने से घरों में पानी पहुंचना बंद हो गया है। जिससे क्षेत्र के लोग पेयजल के लिए टैंकर से पेयजल मंगाने को मजबूर बने हुए हैं।मानसून में भी लोगों को जरूरत के अनुसार पानी मिलना मुश्किल बना हुआ है। गौला नदी से पानी की आपूर्ति नहीं होने से गौलापार क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था पूरी तरह से ट्यूबवेल पर निर्भर है। बीस दिन से किशनपुर पौड़ियाल का ट्यूबवेल ठीक नहीं होने से ग्रामीणों को पानी मिलना बंद हो गया है।इसके लिए विभागीय अधिकारियों से मांग किए जाने के बाद भी समाधान होना मुश्किल बना हुआ है। घरेलू जरूरत और पालतू मवेशियों के लिए निजी टैंकर से पानी मंगाना पड़ रहा है। जिससे लोगों का घरेलू बजट बिगड़ रहा है।

फर्जी आपत्तियों के जरिए वैध वोट काटने की कोशिश का आरोप

रुड़की (आरएनएस)। विधायक वीरेंद्र जाती ने एसआईआर प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए भाजपा नेताओं पर बीएलओ के माध्यम से फर्जी आपत्तियां दर्ज कराने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि झबरेड़ा विधानसभा क्षेत्र में फार्म-7 के जरिए बड़ी संख्या में लोगों के नाम पर आपत्तियां लगाई गई हैं, जबकि संबंधित लोगों को इसकी जानकारी तक नहीं है। सढोली स्थित कैंप कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में विधायक वीरेंद्र जाती ने कहा कि भाजपा के लोगों ने फार्म-7 के माध्यम से लोगों पर अथाह आपत्तियां लगाई हैं। उन्होंने इसे लोकतंत्र की हत्या का प्रयास बताते हुए कहा कि फार्म-7 का प्रारूप एक तय साजिश के तहत तैयार किया गया है। विधायक ने कहा कि भाजपा के लोग कितना भी जोर लगा लें, झबरेड़ा विधानसभा क्षेत्र में कोई भी वैध वोट नहीं कटने दिया जाएगा। कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतंत्र के प्रहरी के रूप में काम कर रहे हैं और हर वैध मतदाता के अधिकार की रक्षा की जाएगी।

दावा किया कि कई ऐसे लोगों के नाम से आपत्तियां लगाई गई हैं, जिन्हें इसकी जानकारी ही नहीं है। एक मामले का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे व्यक्ति के नाम से हस्ताक्षर कर आपत्ति दर्ज की गई, जिसका एक हाथ नहीं है और जो हस्ताक्षर करने में सक्षम ही नहीं है। विधायक ने बताया कि भाजपा से जुड़े 53 बीएलओ ने शपथ पत्र देकर स्पष्ट किया है कि उनके द्वारा किसी प्रकार की आपत्ति दर्ज नहीं कराई गई। इन शपथ पत्रों की प्रतियां एसआईआर प्रक्रिया से जुड़े प्रशासनिक अधिकारियों को भी उपलब्ध करा दी गई हैं।

वीरेंद्र जाती ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के पदाधिकारियों ने जिस प्रकार का खेल खेलने का प्रयास किया है, वह पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने गलत तरीके से कार्य करने वाले अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन अधिकारियों को लंबे समय तक नौकरी करनी चाहिए। इसलिए उन्हें किसी दबाव में आकर गलत कार्य नहीं करना चाहिए।

शहीद दुर्गामल की जयंती पर कांग्रेसजनों ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

हमारे संवाददाता

देहरादून। महान स्वतंत्रता सेनानी एवं आजाद हिंद फौज के वीर योद्धा शहीद दुर्गामल की जयंती के अवसर पर आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन, देहरादून में कांग्रेसजनों द्वारा उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर उपस्थित कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने शहीद दुर्गामल के अदम्य साहस, देशभक्ति, त्याग और बलिदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं ने कहा कि शहीद दुर्गामल जी का जीवन देश के प्रति समर्पण, साहस और सर्वोच्च बलिदान का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देकर इतिहास में अपना नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित किया। आजाद हिंद फौज के वीर सिपाही के रूप में उन्होंने अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ जिस निर्भीकता के साथ संघर्ष किया, वह आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। वक्ताओं ने कहा कि उत्तराखंड की धरती वीरों और बलिदानियों की भूमि रही है और शहीद दुर्गामल जी इस गौरवशाली परंपरा के महान प्रतीक हैं। देश की आजादी के लिए उनका संघर्ष हमें यह संदेश देता है कि राष्ट्रहित से बढ़कर कोई हित नहीं होता। उनके विचारों, संघर्ष और बलिदान की गाथा को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। कार्यक्रम गोरखा प्रकोष्ठ प्रदेश अध्यक्ष अनिल बस्नेत द्वारा किया गया , जिस मे प्रदेश उपाध्यक्ष लालचंद शर्मा, एआईसीसी ओबीसी महिला कोऑर्डिनेटर पिया थापा, प्रदेश प्रवक्ता गरिमा दसोनी राजीव थापा, दीपक थापा, विजय शाही, महामंत्री राजेंद्र शाह, प्रशांत खंडूरी, रितेश जोशी, अश्वनी बहुगुणा, विक्रम प्रधान एवं गोपाल छेत्री सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

भारी मात्रा में कॉपर की तार सहित तीन चोर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। कॉपर की तार चोरी मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन शातिरों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास 60 मीटर चुरायी गयी कॉपर वायर बरामद हुई है। जानकारी के अनुसार बीती 21 अगस्त को प्रभुदयाल पुत्र शरनदास निवासी इको दून होटल, पटेलनगर द्वारा कोतवाली पटेलनगर पर तहरीर देकर बताया गया था कि उनके होटल में लगे एसी की कॉपर तार को किसी अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर लिया गया है। तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। पुलिस द्वारा घटना स्थल तथा उसके आस-पास आने जाने वाले रास्तो पर लगे सीसीटीवी कैमरों की सहायता से संदिग्धों के सम्बन्ध में आवश्यक जानकारियां एकत्रित की गई तथा प्राप्त जानकारी तथा बीती रात एक सूचना के आधार पर पुलिस ने चक्की टोला जाने वाले रास्ते से चैकिंग के दौरान चोरी की घटना को अंजाम देने वाले 3 आरोपियों को घटना में चोरी की गयी 60 मीटर कापर वायर के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उन्होने अपना नाम ललित साहनी उर्फ लाल बुआ पुत्र मनोज साहनी निवासी ग्राम भगवानपुर कल्याणपुर जिला समस्तीपुर बिहार हाल न्यू पटेलनगर देहरादून, विवेक साहनी उर्फ मार्टिन पुत्र मनोज साहनी निवासी ग्राम भगवानपुर कल्याणपुर जिला समस्तीपुर, बिहार हाल पता न्यू पटेलनगर व वंश यादव पुत्र पप्पू यादव निवासी केयर ऑफ श्रीमति माला निवासी न्यू पटेलनगर, देहरादून बताया। बताया कि वे सभी नशे के आदी हैं तथा अपने नशे की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये उनके द्वारा उक्त चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था। आरोपी उक्त चोरी के माल को बेचने की फिराक में थे, इससे पूर्व ही पुलिस टीम द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

जिलाधिकारी हरिद्वार ने जिला पर्यटन कार्यालय का किया औचक निरीक्षण

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने आज जिला पर्यटन कार्यालय का औचक निरीक्षण कर कार्यालय की व्यवस्थाओं, कार्यप्रणाली तथा पर्यटन कार्यालय भवन एवं परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय परिसर में संचालित चारधाम यात्रा पंजीकरण केंद्र का भी जायजा लिया और श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की।

❑पर्यटन कार्यालय भवन एवं परिसर का लिया जायजा

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पंजीकरण केंद्र पर यात्रियों के पंजीकरण व्यवस्था की जानकारी ली साथ ही जिलाधिकारी ने पर्यटन कार्यालय भवन एवं परिसर की साफ-सफाई, रखरखाव, पेयजल, बैठने की व्यवस्था, सूचना पट्टों तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यालय परिसर को सुव्यवस्थित एवं स्वच्छ बनाए रखा जाए तथा यात्रियों और पर्यटकों के लिए बेहतर एवं सुविधाजनक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने जिला पर्यटन अधिकारी सुशील नौटियाल से जनपद हरिद्वार में पर्यटन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, पर्यटन स्थलों के विकास कार्यों, पर्यटक सुविधाओं के विस्तार तथा विभागीय गतिविधियों की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए सभी कार्यों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना, होम स्टे योजना एवं पर्यटन विभाग की अन्य योजनाओं के अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि इन योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से स्थानीय युवाओं एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएं, जिससे पर्यटन के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिले।

देहरादून में शुरू हुआ बेटर सिटीज अभियान

संवाददाता

देहरादून। महानगर युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष तेजस्वी राणा के नेतृत्व में "बेटर सिटीज अभियान" की शुरुआत की गई।

आज यहां महानगर युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष तेजस्वी राणा के नेतृत्व में "बेटर सिटीज अभियान" की शुरुआत की गई। अभियान के तहत शहर के विभिन्न मोहल्लों में जाकर नागरिकों से सड़क, नाली, पेयजल, सफाई, स्ट्रीट लाइट, सीवर, पार्क एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं की जानकारी ली जाएगी।

इन समस्याओं को संकलित कर नगर निगम एवं जिला प्रशासन के समक्ष लिखित रूप में रखा जाएगा और समाधान के लिए जवाबदेही तय की जाएगी। तेजस्वी राणा ने कहा कि देहरादून के हर मोहल्ले की आवाज को मजबूती से उठाना और शहर को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन से जवाब मांगना ही इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। इस दौरान यूथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष विशाल भोजक, प्रदेश महासचिव अभय कैतूरा प्रदेश महासचिव शूरवीर चौहान, रायपुर विधानसभा अध्यक्ष अतुल सक्सेना, राजपुर विधानसभा अध्यक्ष अभिषेक पासी, ब्लॉक अध्यक्ष त्रिशित नेगी, ब्लॉक अध्यक्ष रोहित मित्तल सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। देव ऋषि एजुकेशनल सोसाइटी, एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट स्टडी, के तत्वावधान मे वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य एवं कल्याण हेतु एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन संपन्न हुआ।

आज देव ऋषि एजुकेशनल सोसाइटी, एकेडमी ऑफ मैनेजमेंट स्टडी, नंदा की चौकी देहरादून के तत्वावधान में वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य एवं कल्याण हेतु एक दिवसीय नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम मे बाल कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष मोहन सिंह खत्री मुख्य अतिथि के रूप मे उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, शरद सुंदरियाल एवं सह-कार्यकारी अधिकारी श्रीमती हरनीत नारंग द्वारा आमंत्रित अतिथियों के अभिनंदन एवं ससम्मान स्वागत द्वारा किया गया। इस अवसर पर संस्था द्वारा शिविर के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए मोहन सिंह खत्री ने कहा कि हमारे वरिष्ठ नागरिक समाज एवं परिवार की अमूल्य धरोहर तथा मार्गदर्शन के स्रोत हैं। उनका उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन संपूर्ण समाज की खुशहाली के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस जनहितकारी शिविर में नंदा की चौकी क्षेत्र के लगभग 160 वरिष्ठ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के गरिमामय वातावरण में रेड क्रॉस सोसाइटी के उपाध्यक्ष मोहन सिंह खत्री पूर्व सम्मानित जिला पंचायत सदस्य मेघ सिंह, कंडोली की सम्मानित ग्राम प्रधान श्रीमती कोमल, सुभारती अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. कंसल अपनी विशेषज्ञ टीम के साथ, मॉडर्न डायग्नोस्टिक्स की समर्पित टीम एवं देव ऋषि एजुकेशनल सोसाइटी की पूरी टीम की सेवारत उपस्थिति में सहभागिता की।

शिविर के दौरान उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों की नि:शुल्क नेत्र जांच, रक्त जांच, बीपी एवं शुगर की विस्तृत जांचें की गईं।

कॉमन फैसिलिटी सेंटर से महिलाओं को मिलेगा रोजगार का नया अवसर

संवाददाता

देहरादून। जिला प्रशासन देहरादून की अभिनव पहल से सहसपुर में लंबे समय से बंद पड़ी कॉमन फैसिलिटी सेंटर स्थित सिलाई यूनिट को अब नया जीवन मिलने जा रहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन व जिला प्रशासन देहरादून की अभिनव पहल से सहसपुर में लंबे समय से बंद पड़ी कॉमन फैसिलिटी सेंटर स्थित सिलाई यूनिट को अब नया जीवन मिलने जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा जल्द ही आधुनिक मशीनों से लैस इस कॉमन फैसिलिटी सेंटर का उद्घाटन की तैयारियां अंतिम चरण में है। केंद्र के संचालन की जिम्मेदारी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सौंपे जाने से ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर खुलेंगे। सहसपुर ब्लॉक के निकट जिला उद्योग केंद्र में वर्ष 2024 में स्थापित की गई इस सिलाई यूनिट को अब आस्था कलेक्टर लेवल फेडरेशन, सहसपुर ब्लॉक को सौंप दिया गया है। करीब 25 से 30 आधुनिक सिलाई मशीनों से लैस इस केंद्र के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण के साथ उत्पादन और बाजार से जोड़ने की योजना है। शुरुआती दौर में इस यूनिट में ग्रामीण महिलाओं को सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाता था, लेकिन बाद में यूनिट बंद हो गई। अब जिला प्रशासन ने इसे दोबारा सक्रिय करते हुए कॉमन फैसिलिटी सेंटर के रूप में विकसित किया है। यहां महिलाएं जूट बैग, स्कूल ड्रेस, कार कवर और बाइक सीट कवर सहित विभिन्न उत्पाद तैयार करेंगी। जिला प्रशासन की ओर से महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों की डिजाइनिंग और गुणवत्ता

पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही निजी कंपनियों से संपर्क कर स्वयं सहायता समूहों को ऑर्डर दिलाने की योजना है। भविष्य में सेलाकुई जैसे औद्योगिक क्षेत्रों से बड़े स्तर पर बल्क ऑर्डर प्राप्त करने के प्रयास किए जाएंगे। इससे महिलाओं को नियमित काम और बेहतर आमदनी का अवसर मिल सकेगा। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को केवल प्रशिक्षण देने तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि उन्हें उत्पादन, बाजार और आय से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। प्रशासन का मानना है कि आधुनिक मशीनों से लैस यह केंद्र सहसपुर क्षेत्र की महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने के साथ उन्हें 'लखपति दीदी' बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने बताया कि सहसपुर में कॉमन फैसिलिटी सेंटर एक ट्रेनिंग सेंटर के तौर पर कार्य कर रहा था। अब प्रशासन की ओर से इसे समूह की महिलाओं को संचालित करने के लिए दिया जा रहा है, जिसके लिए क्लस्टर का चयन भी हो चुका है। उन्होंने कहा कि इस पहल से न केवल आधुनिक मशीनों का सदुपयोग होगा, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को जूट बैग, स्कूल ड्रेस सहित कई उत्पाद तैयार करने का प्रशिक्षण मिलेगा और वे अपना स्वरोजगार स्थापित कर सकेंगी। उन्होंने कहा कि सीएफसी सेंटर के पुन: सक्रिय होने से कई महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनने में मदद मिलेगी। जिला परियोजना प्रबंधक रीप सोनम गुप्ता ने बताया कि सहसपुर बैरियर के पास जिला उद्योग केंद्र की ओर से कॉमन फैसिलिटी सेंटर स्थापित किया गया था, जिसमें कई आधुनिक सिलाई मशीनें उपलब्ध हैं। जिला प्रशासन की पहल पर अब इन मशीनों को स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सौंपने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि सहसपुर ब्लॉक की कई ग्रामीण महिलाएं सिलाई में पहले से ही निपुण हैं। आधुनिक मशीनें इन महिलाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने के साथ उनकी आय बढ़ाने में भी मददगार साबित होंगी।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का अनोखा प्रदर्शन

राहगीरों को पिलाई फीकी चाय

हमारे संवाददाता

नैनीताल। चीनी की बढ़ती कीमतों के विरोध की आंच अब हल्द्वानी तक पहुंच गई है। चीनी के दाम 60 रुपये प्रति किलो तक पहुंचने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस ने तिकोनिया चौराहे पर अनोखे अंदाज में सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने राहगीरों को फीकी चाय पिलाकर बढ़ती महंगाई के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि लगातार बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। उनका आरोप है कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में राशन, तेल, चीनी समेत रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि चीनी वाली चाय आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा है, लेकिन महंगाई के कारण अब लोगों को फीकी चाय से ही काम चलाना पड़ रहा है। इसी संदेश को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राहगीरों को फीकी चाय पिलाकर सरकार के खिलाफ अपना विरोध जताया। कांग्रेस ने सरकार से बढ़ती महंगाई पर तत्काल लगाम लगाने और आम जनता को राहत देने की मांग की।

नाबालिग से दुष्कर्म व पोक्सो एक्ट में फरार आरोपी दबोचा

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। नाबालिग से दुष्कर्म और पोक्सो एक्ट में फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार कोतवाली पिथौरागढ़ क्षेत्रान्तर्गत एक नाबालिग के साथ शारीरिक शोषण कर उसे गर्भवती करने के संबंध में प्राप्त तहरीर के आधार पर आरोपी रमेश सिंह राणा निवासी क्यूटी, थाना नाचनी के खिलाफ दुष्कर्म व पोक्सो अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। मुकदमा दर्ज होने के उपरांत आरोपी फरार हो गया। फरार आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक कोतवाली पिथौरागढ़ ललित मोहन जोशी के नेतृत्व में एक विशेष पुलिस टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम द्वारा लगातार सुरागरसी-पतारसी करते हुए तकनीकी एवं मैनुअल इनपुट्स एकत्र किए गए। सर्विलांस सैल की सहायता से आरोपी की लोकेशन ट्रेस कर उसे बीती रात ग्राम थियून, थाना नालागढ़, जनपद सोलन (हिमाचल प्रदेश) से गिरफ्तार किया गया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल करने वाले हेड कांस्टेबल को किया सम्मानित

हमारे संवाददाता

चमोली। प्रादेशिक अन्तर्जनपदीय/वाहिनी पुलिस कुश्ती क्लस्टर (बॉक्सिंग, बॉडी बिल्डिंग एवं आर्म कुश्ती) प्रतियोगिता में चमोली पुलिस ने शानदार प्रदर्शन किया। हेड कांस्टेबल जितेन्द्र ने 75 किलोग्राम भार वर्ग की बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर जनपद का गौरव बढ़ाया। जिस पर एसपी सुरजीत सिंह पँवार ने सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया।

उधम सिंह नगर में आयोजित 24वीं प्रादेशिक अन्तर्जनपदीय/वाहिनी पुलिस कुश्ती क्लस्टर (बॉक्सिंग, बॉडी बिल्डिंग एवं आर्म कुश्ती) प्रतियोगिता-2026 में चमोली पुलिस के हेड कांस्टेबल जितेन्द्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 75 किलोग्राम भार वर्ग की बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर जनपद का नाम रोशन किया। दिनांक 17 से 19 अगस्त 2026 तक आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर की पुलिस इकाइयों के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच हेड कांस्टेबल जितेन्द्र ने अपनी मेहनत, फिटनेस और शानदार शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। आज पुलिस कार्यालय में पुलिस अधीक्षक चमोली सुरजीत सिंह पँवार ने हेड कांस्टेबल जितेन्द्र को सम्मानित करते हुए उनकी उपलब्धि पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों द्वारा खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करना न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि इससे चमोली पुलिस का गौरव भी बढ़ता है। उन्होंने भविष्य में भी इसी मेहनत और लगन के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

मंदिर से चोरी का खुलासा, एक गिरफ्तार

संवाददाता

टिहरी। पुलिस ने मंदिर से हुई चोरी का खुलासा करते हुए चोरी के सामान के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

मिली जानकारी के अनुसार 04 अगस्त 2026 की रात्रि ग्राम सुनारगांव पट्टी आरगढ़ स्थित श्री नागराज मंदिर में अज्ञात चोरों द्वारा मंदिर एवं दानपात्र का ताला तोड़कर 02 पीतल की घंटियां तथा करीब 6 हजार रूपये की नगदी चोरी कर ली गई थी। घटना के संबंध में 21 अगस्त 2026 को श्रीमती सरला देवी पत्नी चंदन सिंह, निवासी ग्राम सुनारगांव पट्टी आरगढ़, थाना घनसाली द्वारा थाना घनसाली में तहरीर दी गई। तहरीर के

आधार पर थाना घनसाली पुलिस द्वारा तत्काल अभियोग पंजीकृत कर विवेचना प्रारंभ की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्रीमती श्वेता चौबे द्वारा आयोजित अपराध गोष्ठी में जनपद में घटित चोरी एवं अन्य संपत्ति संबंधी अपराधों की समीक्षा करते हुए लंबित चोरी की घटनाओं का शीघ्र खुलासा करने व गिरफ्तारी तथा चोरी के माल की बरामदगी हेतु थाना प्रभारियों को सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। उक्त निर्देशों के क्रम में थाना घनसाली पुलिस द्वारा नागराज मंदिर चोरी की घटना को गंभीरता से लेते हुए तत्काल पुलिस टीम गठित कर जांच एवं अभियुक्त की तलाश शुरू की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार तथा अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी टिहरी के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक थाना घनसाली द्वारा पुलिस टीम गठित की गई। टीम द्वारा घटनास्थल एवं आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगालने, संदिग्ध व्यक्तियों, बाहरी मजदूरों एवं किरायेदारों से गहन पूछताछ करने के साथ ही स्थानीय तंत्र को सक्रिय किया गया। पुलिस टीम के लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप 23 अगस्त 2026 को घटना में संलिप्त टेक बहादुर पुत्र पुनरे बहादुर, निवासी वार्ड नं. 08 पीपलकोट, थाना राखम, जिला दैलेख, नेपाल को गिरफ्तार किया गया। जिसके कब्जे से पांच हजार रूपये नगद बरामद कर लिये। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।